लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

MOTHER'S WORSHIP WILL BE POSSIBLE ONLY WHEN WE KEEP MOTHER HEALTHY AND WELL-NOURISHED: LOK SABHA SPEAKER

IT IS OUR RESPONSIBILITY TO PROVIDE NUTRITION TO EVERY MOTHER: SHRI BIRLA

IT IS HUMANITY'S DUTY TO BRING NUTRITION TO EVERY HOME: SMT. SMRITI IRANI

THE RISE OF THE COUNTRY IS RELATED TO THE UPLIFTMENT OF WOMEN: SMT. IRANI

'SUPOSHIT MAA ABHIYAN' INAUGURATED WITH DISTRIBUTION OF BALANCED DIET KITS TO ONE THOUSAND WOMEN

Kota, 29 February 2020: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla launched the ambitious 'Suposhit Maa Abhiyan' with the aim to create a malnutrition-free India at Bhamashah Mandi campus in Kota today. Smt Smriti Irani, Union Cabinet Minister for Women and Child Development presided over the event. In the first phase of the campaign, 1000 kits of 17 kg balanced diet each were provided to one thousand pregnant women. Twenty-five of them were symbolically given kits from the stage.

Speaking on the occasion, Shri Birla said that the 'Suposhit Maa Abhiyan' is a campaign to preserve and maintain the health of our future generations. He said that such programmes need to be made mass movements to fulfill the dreams of 130 crore Indians. He said that a pledge has been taken to provide nutrition to every pregnant mother of the region.

Shri Birla observed that the mother is the source of strength and power and the cycle of the world revolves around the mother. As Mother is a symbol of love, compassion and pain, she is worshipped in our culture. He opined that mother's worship would be possible only when we keep mother healthy and well-nourished. He emphasized that it is our responsibility to ensure the well-being of every mother.

He stressed that though the government is doing its work, yet the support of the society is also necessary. He informed that under this Abhiyan, 1000 women would be given food items for one month for 12 months. At the same time, health of the child, including medical examination, blood test, medicines, delivery, would be covered. The identified women would be required to register on a website for adoption. Only one pregnant woman would be adopted from a family.

Union Minister Smt. Smriti Irani was happy to note that a committed society had gathered to write a new history at the launch of the event. She said that today's program is dedicated to the life-giving mother who gives birth to humanity. She observed that the program is aimed to give the responsibility of the mother to the society, not the family. She recalled that the Prime Minister has started a campaign of nutrition in the country at a cost of 9 thousand crores. She bowed down to the 1000 families which have pledged to adopt pregnant mothers.

She further said that for the first time it has been decided in the country that upliftment of the country is possible only with women. In previous governments, it was not possible to sanction money for the nutrition of pregnant women. However, since 2017, the Modi government has sanctioned Rs 5000 crore. She noted that 11 thousand toilets, 8 crore Ujjwala cylinders have been made available and 15 crore women have taken loans under Mudra Yojana.

A large number of people attended the programme

मां की पूजा तब ही साकार होगी, जब मां को स्वस्थ रख सकेंगेः लोकसभा अध्यक्ष

हर मां को सुपोषित करना हमारी जिम्मेदारीः लोकसभा अध्यक्ष

सुपोषण हर घर तक पहुंचाना मानवता का कार्य हैः श्रीमती स्मृति इरानी

देश का उत्थान महिला के उत्थान से जुड़ा हैः श्रीमती इरानी

1 हजार महिलाओं को बांटे संतुलित आहार के किट 'सुपोषित मां अभियान' का शुभारंभ

कोटा, 29 फरवरी 2020: कुपोषण मुक्त भारत बनाने कि दिशा में शनिवार को कोटा बूंदी संसदीय क्षेत्र मे जनसहभागिता से कुपोषण मिटाने के लिऐ 'सुपोषित माॅ अभियान' शुरू हुआ। अभियान की शुरूआत लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के मुख्य आतिथ्य एवं अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास विभाग की केन्द्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति इरानी ने भामाशाह मंडी परिसर में की। अभियान के प्रथम चरण में

1 हजार गर्भवती महिलाओं को 17 किलोग्राम संतुलित आहार के 1000 किट प्रदान किए गए। जिनमें से 25 महिलाओं को प्रतीकात्मक रूप से मंच से किट दिए गए।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री बिरला ने कहा कि सुपोषित मां अभियान हमारी आने वाली पीढियों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने का अभियान है। उन्होंने कहा कि आज देश के 130 करोड भारतीयों के सपनों को पूरा करने के लिए "सुपोषित मां अभियान" सरीखे कार्यक्रमों को जनान्दोलन बनाना होगा। उन्होंने कहा कि हमने यह संकल्प लिया है कि हर गर्भवती मां को सुपोषित करने के लिए कार्य करेंगे।

श्री बिरला ने कहा कि मां शक्तिदात्री होती है, संसार का सारा चक्र मां के आसपास घूमता है। मां वात्सल्य, संवेदना और पीड़ा की प्रतीक है, इसीलिए भारतीय संस्कृति में मां को पूजनीय माना गया है। लेकिन मां की असली पूजा तब साकार होगी, जब हम मां को स्वस्थ रख सकेंगे। इसीलिए हर मां का सुपोषण हम सबकी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि सरकार अपना काम कर रही है, लेकिन समाज का भी सहयोग आवश्यक है।उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत 1000 महिलाओं को 1 महीने की भोजन सामग्री 12 महीने तक दी जाएगी। वहीं, मेडिकल, जांच, रक्त, दवा, प्रसव समेत जच्चा बच्चा के स्वास्थ्य की चिंता की जाएगी। चिन्हीत महिलाओं को गर्भवती महिलाओं को गोद लेने के लिए वेबसाइट पर पंजीयन कराना होगा। एक परिवार को केवल एक ही गर्भवती महिला गोद दी जाएगी।

केन्द्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति इरानी ने कहा कि आज संकल्पित समाज नया इतिहास लिखने के लिए एकत्रित हुआ है। आज का कार्यक्रम मानवता को जन्म देने वाली उसी जीवनदायिनी मां को समर्पित है। आज मां की जिम्मेदारी परिवार नहीं बल्कि समाज को देने का कार्यक्रम शुरू हुआ है। प्रधानमंत्री ने 9 हजार करोड की लागत से देश में सुपोषण का अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि यह कोटा में ही संभव है। उन्होंने कहा कि आज बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाले, कुपोषित की भूख मिटाने वाले, स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने के लिए गर्भवती मां को गोद लेने वाले 1000 परिवारों के समक्ष नतमस्तक हूं।

उन्होंने आगे कहा कि पहली बार देश में तय किया गया है कि देश का उत्थान महिलाओं के साथ ही संभव है। पिछली सरकारों में गर्भवती महिलाओं को पोषण के लिए राशि देना संभव नहीं हो सका, लेकिन मोदी सरकार ने 2017 से 5 हजार करोड देने का काम किया है। आज 11 हजार शौचालय, 8 करोड उज्ज्वला सिंलेंडर और 15 करोड महिलाएं मुद्रा योजना में ऋण लेकर व्यवसाय शुरू कर सकी हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।